ओएनजीसी विदेश को इंडिया रिस्क मैनेजमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया

ओएनजीसी विदेश ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और सीएनबीसी-टीवी18 द्वारा आयोजित 10वें इंडिया रिस्क मैनेजमेंट अवार्ड्स में मास्टर ऑफ रिस्क - रिस्क टेक्नोलॉजी, लार्ज कैप श्रेणी में पुरस्कार जीतकर अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। यह पुरस्कार ओएनजीसी विदेश की ओर से प्रधान-जोखिम श्री राजीव नायर ने 27 जून 2024 को मुंबई में आयोजित एक समारोह में प्राप्त किया।

श्री संजीव मंत्री - प्र.निदे. और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और सुश्री लता वेंकटेश - संपादक, सीएनबीसी टीवी 18 ने समारोह की अध्यक्षता की और भारतीय कंपनियों के अंतर्देशीय बाजार विकास की सराहना करते हुए कंपनियों द्वारा उनके उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अनुसरण की गयी गई जोखिम प्रबंधन रणनीतियों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रमुख हस्तियां सुश्री साइना नेहवाल, एम. वी. देशमुख, डॉ. अतुल लिमये और श्री प्रहलाद कक्कड़ ने भी इस अवसर की शोभा बढ़ाई। ओएनजीसी विदेश देश के शीर्ष संगठनों जैसे टीसीएस, बीपीसीएल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और अन्य में से एक था, जिन्हें विभिन्न श्रेणियों में ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए।

यह सम्मान कंपनी की प्रभावी जोखिम प्रबंधन प्रथाओं, नवाचार और रणनीतिक दूरदर्शिता के प्रति उत्कृष्ट प्रतिबद्धता को उजागर करता है। यह पुरस्कार पूरे संगठन में जोखिम जागरूकता और लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ओएनजीसी विदेश के समर्पण का प्रमाण है।

ओएनजीसी विदेश को जोखिम प्रबंधान पुरस्कार प्राप्त हुआ

ओएनजीसी विदेश में ईआरएम प्रणाली अप्रैल 2012 में इन-हाउस प्रयासों से शुरू किया गया था और अब यह जोखिम प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय मानक आईएसओ 31000:2018 के साथ संरेखित है। यह प्रणाली पिछले कुछ वर्षों में बेहतर हुई है और कंपनी की व्यवसाय प्रक्रिया में अच्छी तरह से एकीकृत हो गयी है। यह कुछ सिद्धांतों पर आधारित है और इसमें जोखिम की पहचान, मूल्यांकन और प्राथमिकता निर्धारण शामिल है, जिसके बाद अप्रत्याशित घटनाओं की संभावना और प्रभाव की निगरानी करने, उसे नियंत्रित करने और कम करने के लिए संसाधन का समन्वित उपयोग किया जाता है।

एसएपी जीआरसी - जोखिम मॉड्यूल के क्रियान्वयन से जोखिम घटना की मासिक रिपोर्टिंग और जोखिम रजिस्टर पर तिमाही अनुपालना को संकलित करके ईआरएम प्रणाली की निगरानी और सुदृढ़ हुई है। जोखिम डैशबोर्ड प्रबंधन को दुनिया के नक्शे पर परियोजनाओं को उनके जोखिम महत्व, महत्वपूर्ण जोखिम, जोखिम तीव्रता मानचित्र और तिमाही अनुपालना की स्थिति दिखाने वाली स्क्रीन के माध्यम से सूचित निर्णय लेने में मदद करता है।

ऑयल और गैस अपस्ट्रीम व्यवसाय में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भूवैज्ञानिक अनिश्चितताएं (जिससे उत्पादन अनुमानों में बदलाव होता है) जैसे कई स्वाभाविक जोखिम होते हैं। इसके अलावा ओएनजीसी विदेश विदेशों में काम कर रहा है जहां भू-राजनीतिक मुद्दे, राजनीतिक हिंसा/अनिश्चितताएं व्यवसाय माहौल को और भी चुनौतीपूर्ण बनाती हैं।

प्रभावी जोखिम-आधारित निर्णय लेने में सहायता करने के लिए जोखिम को तेजी से एकीकृत आधार पर प्रबंधन किया जा रहा है। ओएनजीसी विदेश का अंतर्संबद्ध जोखिम प्रबंधन ढ़ांचा हमें ईआरएम प्रणाली से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और संगठन की अनुकूलन क्षमता और हमेशा बदलते जोखिम माहौल में सफल होने की क्षमता को बढ़ाता है।

प्रबंध-निदेशक - ओएनजीसी विदेश के साथ टीम एचएसई एवं जोखिम

निदेशक (अन्वेषण)- प्रभारी, जोखिम, श्री संजीव टोखी ने टीम जोखिम को यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड मिलने पर बधाई दी। इस पुरस्कार के प्राप्त होने पर बधाई देते हुए, ओएनजीसी विदेश के प्रबंध निदेशक, श्री राजर्षि गुप्ता ने और भी ऊंचाइयों को हासिल करने और बेहतर संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए इस गति को बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित किया।